सत्यमेव जयते
Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
4738	17.07.2018	17.07.2018	**Seoni Madhya Pradesh**	Jansatta Hindi Newspaper 17th July, 2018/Page No. 11
Title:	**Many villagers fall ill due to drinking polluted water in district Seoni, Madhya Pradesh**			
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to DSU-Seoni, SSU-Madhya Pradesh			

जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर भटमतरा गांव में कुंए का कथित तौर पर दूषित पानी पीने से तीन दर्जन से अधिक ग्रामीण बीमार हो गए। रविवार शाम तीन एंबुलेंस वाहनों से करीब 30 ग्रामीणों को छपारा के अस्पताल लाकर भर्ती किया गया है। यहां बिस्तर कम होने के कारण मरीजों को लकड़ी की बैंचों पर लिटाया गया। उन्हें ग्लूकोज चढ़ाया गया और इलाज शुरू किया गया। सूचना पर स्वास्थ्य अमला भटमतरा गांव पहुंच गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, छपारा के खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ देवाशीष बनर्जी ने सोमवार को यहां बताया कि भटमतरा गांव में दूषित पानी पीने के कारण उल्टी-दस्त की बीमारी फैली है। कुएं के पास स्थित तालाब का पानी रिसकर कुएं में मिल गया, जिससे कुएं का पानी प्रदूषित हुआ है।

बीएमओ ने बताया कि गांव के करीब 30 ग्रामीणों को छपारा के अस्पताल में भर्ती किया गया है। इनमें महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हैं। भर्ती मरीज पेटदर्द, उल्टी-दस्त से पीड़ित हैं, जिनकी स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य अमले को भटमतरा गांव की स्थिति का जायजा लेने के लिए भेजा गया है।

भटमतरा गांव निवासी कृषि मंडी उपाध्यक्ष धनलाल गज्जाम ने बताया कि 6 महीने से गांव में नलजल योजना बंद थी। बारिश शुरू होने के बाद हाल ही में कुएं में जलस्तर बढ़ने से नल-जल योजना प्रारंभ की गई है। इसी कुएं का दूषित पानी पीने से ग्रामीण बीमार हो रहे हैं। भर्ती मरीजों के परिजन रमेश परते, कमल यादव ने बताया कि कुएं का पानी पीने के बाद ग्रामीणों को पेट दर्द व उल्टी दस्त की शिकायत होने लगी।

वहीं दूसरी ओर सामुदायिक अस्पताल छपारा में उल्टी-दस्त से पीड़ित भटमतरा गांव के 30 मरीजों के एक साथ पहुंचने से व्यवस्था गड़बड़ा गई। अस्पताल में बिस्तर कम पड़ने के कारण मरीजों को लकड़ी की बैंचों पर लिटाया गया । एक बिस्तर पर दो दो मरीजों को भी डाल कर इलाज शुरू किया गया।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054

For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idspmediaalert@gmail.com, idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in

Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921

https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर भटमतरा गांव में कुंए का कथित तौर पर दूषित पानी पीने से तीन दर्जन से अधिक ग्रामीण बीमार हो गए। रविवार शाम तीन एंबुलेंस वाहनों से करीब 30 ग्रामीणों को छपारा के अस्पताल लाकर भर्ती किया गया है। यहां बिस्तर कम होने के कारण मरीजों को लकड़ी की बैंचों पर लिटाया गया। उन्हें ग्लूकोज चढ़ाया गया और इलाज शुरू किया गया। सूचना पर स्वास्थ्य अमला भटमतरा गांव पहुंच गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, छपारा के खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ देवाशीष बनर्जी ने सोमवार को यहां बताया कि भटमतरा गांव में दूषित पानी पीने के कारण उल्टी-दस्त की बीमारी फैली है। कुएं के पास स्थित तालाब का पानी रिसकर कुएं में मिल गया, जिससे कुएं का पानी प्रदूषित हुआ है।

बीएमओ ने बताया कि गांव के करीब 30 ग्रामीणों को छपारा के अस्पताल में भर्ती किया गया है। इनमें महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हैं। भर्ती मरीज पेटदर्द, उल्टी-दस्त से पीड़ित हैं, जिनकी स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य अमले को भटमतरा गांव की स्थिति का जायजा लेने के लिए भेजा गया है।

भटमतरा गांव निवासी कृषि मंडी उपाध्यक्ष धनलाल गज्जाम ने बताया कि 6 महीने से गांव में नलजल योजना बंद थी। बारिश शुरू होने के बाद हाल ही में कुएं में जलस्तर बढ़ने से नल-जल योजना प्रारंभ की गई है। इसी कुएं का दूषित पानी पीने से ग्रामीण बीमार हो रहे हैं। भर्ती मरीजों के परिजन रमेश परते, कमल यादव ने बताया कि कुएं का पानी पीने के बाद ग्रामीणों को पेट दर्द व उल्टी दस्त की शिकायत होने लगी।

वहीं दूसरी ओर सामुदायिक अस्पताल छपारा में उल्टी-दस्त से पीड़ित भटमतरा गांव के 30 मरीजों के एक साथ पहुंचने से व्यवस्था गड़बड़ा गई। अस्पताल में बिस्तर कम पड़ने के कारण मरीजों को लकड़ी की बैंचों पर लिटाया गया । एक बिस्तर पर दो दो मरीजों को भी डाल कर इलाज शुरू किया गया।